International Journal of Multidisciplinary Allied Research Review and Practices
(ISSN 2455-1570) (Volume III, Issue II,Feb 2017) www.ijmarrp.com

भारत में भक्ति आंदोलन की भूमिका

डॉ. बीरबल

*Former Research Scholar,
Deptt. Of Social Sciences (History)
IGNOU, New Delhi

सारांश :

जब इस्लाम भारत मे आया तो उस समय बौद्ध धर्म अपना वर्चस्व खो चुका था। ब्राह्मणवाद धर्म बौद्ध धर्म के सिद्धांतों व आर्यों के पूर्व की प्रथाओं को समेटकर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोषिष कर रहा था। इस्लाम यहाँ के लिए बिल्कुल एक नई चीज था। इसने अपने सर्व भोम, बन्धुत्व और मानव समानता के सिद्धान्तों की सहायता से भारतीयो को प्रभावित किया। अलबरूनी, अमीर खुसरो, अबुल फजल, दारा षिकोह आदि मुस्लिम इतिहासकारों ने हिन्दू धर्म को समझने की कोषिष की और हिन्दू धर्म के सन्दर्भ में उन्होने मुसलमानों की समझ को विकसित करने का महत्वपूर्ण प्रयास किया। भक्ति व सूफी आन्दोलन मे इस प्रवृति की झलक दिखाई देते हैं। सन्तों व सूफियों के प्रयासो से जो भक्ति एवम् सूफी आन्दोलन प्रारम्भ हुए उनके मध्य भारत के सामाजिक एवम् धार्मिक जीवन मे एक नवीन षक्ति एवम् गतिषीलता का संचार हुआ।

परिचयः

भारत मे समय–समय पर आक्रमण होते रहे हैं। भारत के उत्तरी हिस्से पर तुगलक वंष, सैययद एवं लोधी वंष आदि और मुगल काल में – बाबर, अकबर, हुमायूं, जहाँगीर, षाहजहाँ, औरंगजेब, इत्यादि ने षासन किया है। यह काल लगभग 1326 से 1526 ई. तक रहा हैं। परन्तु औरंगजेब की मृत्यु (1707) से मुगलकाल पतन की ओर थी और जा रहा था। भक्ति काल के द्वितीय चरण में मुगलों का षासन काल था।

भक्तिकाल की सीमा षाहजँहा के षासनकाल तक मानी जाती हैं। दो चार षासकों को छोड़कर अधिकांष की नीति उदार नहीं थी। हिन्दू व मुस्लिम धर्म में उदारता व सद्भाव नहीं था। दोनो धर्मो में द्वेष बढ़ गया था।

---

*Former Research Scholar, Deptt. Of Social Sciences (History)
IGNOU, New Delhi

भक्ति आन्दोलन को दो भागों में बांटा जा सकता है। **प्रथम युग**– भगवद्गीता से आरम्भ होकर 13 वीं षताब्दी तक। वह युग था जब इस्लाम देष के भीतरी क्षेत्रो में प्रविष्ट हो रहा था।

दूसरा युग–13वीं से 16वीं षताब्दी तक का है यह युग गहरे बौद्धिक विस्फोट का काल था जो हिन्दू और इस्लाम धर्म के सम्पर्क का स्वाभाविक परिणाम था।

भक्ति आंदोलन का उदय – वास्तव मे भक्ति आंदोलन का उदय सर्वप्रथम दक्षिणी भारत में हुआ और इसमे अलवार सन्तों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। पाचँवी से नौवीं षताब्दी तक दक्षिणी भारत में अनेक अलवार सन्त हुए जिन्होने दक्षिण भक्ति के सिद्धांत का जोर–षोर से प्रचार प्रसार किया। ये सभी विष्णु के उपासक थे। उनके विचारो और भावो में भक्ति और विनम्रता का अपूर्ण संगम देखने को मिलता हैं। इन अलवार सन्तों के प्रयत्नो से भक्ति की भावना का दक्षिण में खूब प्रचार प्रसार हुआ और इस प्रकार यह जनजीवन का अभिन्न अंग बन गई। इन सन्तों द्वारा तमिल भाषा में लिखे भक्ति गीतो का सम्पादन नाथ मुनि ने नौवीं षताब्दी में किया जो प्रबन्धक कहलाता है। किन्तु दूसरी ओर कुछ इतिहासकारों के अनुसार, ''भक्ति आंदोलन की उत्पत्ति हिन्दू धर्म के इस्लाम के साथ सम्पर्क होने और उसके प्रभाव का परिणाम था। ताराचन्द व यूसूफ हुसैन इसी मत के समर्थक है।'' उनका मानना है कि भक्ति आन्दोलन के सन्तों ने एकेष्वरवाद का

सिद्धांत, मूर्तिपूजा का खण्डन और जातिप्रथा का बहिष्कार इस्लाम से प्रेरणा पाकर ही किया। उपयुक्त विद्वानों के विचारो से हम सहमत नहीं हो सकते परन्तु उपरोक्त लिखित विचारो से स्पष्ट है कि भक्ति की परम्परा भारत मे काफी पुरानी है।

भक्ति आंदोलन में प्रथम प्रतिपादक महान् वैष्णव सन्त रामानुज थे जो बाहरवीं सदी के प्रारम्भिक काल में हुए थे। उनका जन्म आधुनिक आन्ध्र प्रदेष के त्रिपुती नगर में हुआ था। वे प्रारम्भ में षंकर के विचारों के अनुयायी थे। उन्होनें बहुत भ्रमण किया और अपने देष के कई भागों में यात्रा की। उनका विचार था कि परमात्मा आदित्य रूप से महान है और वही इस जगत का पालन और संहारक है। भक्ति आंदोलन के द्वितीय नेता निम्बार्क

*Former Research Scholar, Deptt. Of Social Sciences (History)
IGNOU, New Delhi

थे। वे रामानुज के ही समकालीन थे पर आयु में उनसे छोटे थे वह कृष्ण और राधा के उपासक थे और भेदाभेद के दार्षनिक सिद्धान्त के प्रतिपादक थे। इस सिद्धान्त के अनुसार, ''आत्मा और परमात्मा में वैसे भेद सा है पर वास्तव में उनमें कोई भेद नहीं है।'' भक्ति आंदोलन में माधवाचार्य, रामानन्द, सूरदास, तुलसीदास और संत कबीर आदि ने भी अपने विचारो से भारतीय जनता को अपने काव्य के माध्यम से सत्य के मार्ग पर चलने की नसीहत दी है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. vkanksyuhttps://hi.wikipedia.org/wiki/
2. http://bharatdiscovery.org/india/
3. http://www.vaniprakashan.in/details.php?lang
4. https://wikivisually.com/भक्ति आंदोलन
5. https://opentextbc.ca/nationalism/chapter/references/

*Former Research Scholar, Deptt. Of Social Sciences (History)
IGNOU, New Delhi